फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 73 संख्याः 257 प्रभात जयपुर, गुरुवार 20 अप्रेल , 2023 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Rashtradoot Metro

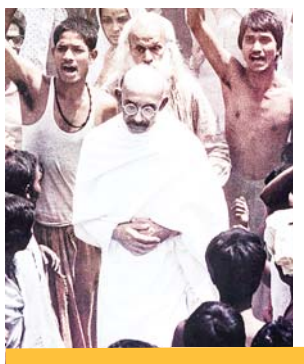

Gandhiji's priceless life is in your hands today!!

He is fasting, let him. He won't kick the bucket in a day or two, in two days we'll clear out all the ragheads?"

BOTANY: Plant Patch

SPACE: Dim Bulbs Replace the sun with a red dwarf, and Earth would freeze as solid as Pluto

विलुप्ति के कगार पर पहुँची युनाइटेड किंगडम की सबसे मुखर चिड़िया ''बिटर्न बर्ड'' का गत वर्ष का प्रजननकाल बेहद शानदार रहा है। ये बिटर्न बर्ड 1870 के दशक में स्थानीय स्तर पर लुप्त हो गई थीं क्योंकि बड़े पैमाने पर इन्हें मारा गया था और इनके वैटलैण्ड आवासों को खेती के लिए सुखा दिया गया था। रॉयल सोसायटी फॉर प्रोटैक्शन ऑफ बड्र्स (आर.एस.पी.बी.) ने बताया है कि, संरक्षण प्रयासों की बदौलत, गूंजती हुई आवाज़ के लिए प्रसिद्ध, इस चिड़िया का गत वर्ष का प्रजननकाल अब तक का सर्वाधिक सफल प्रजनन काल रहा है। हैरॉन (बगुला) परिवार के इस शर्मीले सदस्य ने, उत्तरी इंगलैण्ड के टीसाइड क्षेत्र स्थित आर.एस.पी.बी. के सॉल्टहोम नेचर रिजर्व में सफल प्रजनन का रिकॉर्ड बनाया है। गत प्रजननकाल में विशेषज्ञों ने 228 नर बिटर्न पक्षियों की गणना की थी, जो कि अब तक सर्वाधिक सफल वर्षों में से एक था। वैटलैण्ड में रहने वाले पक्षी ऐसे आवासों पर आश्रित होते हैं जहाँ बड़ी मात्रा में सरकण्डे उगे होते हैं, जिनमें ये पक्षी छुपते हैं और शिकार करते हैं। इन पक्षियों में नर की गणना करना आसान होता है क्योंकि ये दिखाई देने से पहले सुनाई दे जाते हैं, इनकी आवाज तीन मील दूर तक सुनाई देती है। प्रजननकाल में नर अपनी इसी गूंजती हुई आवाज से मादा को रिझाते हैं। बिटर्न पक्षी 19 वीं सदी में नॉरफोक लौटे थे पर 20 वीं सदी में कृषि के लिए जब वैटलैण्ड्स सुखा दिए गए तो इनकी आबादी में भारी कमी आई और 1997 में तो यहाँ मात्र 11 ही नर बचे थे। उसके बाद से इनके प्राकृतिक आवास के संरक्षण का काम शुरु किया गया। आर.एस.पी.बी. के साइमन वोटन ने कहा कि, बिटर्न की वापसी के लिए तट से दूर उपयुक्त वैटलैण्ड्स की हालत सुधारी जा रही है, ताकि इनके लिए ऐसे सुरक्षित आवास बनाए जा सकें, जो जलवायु परिवर्तन से प्रभावित न हों।

गहलोत ने पायलट का नाम कटवाया ''स्टार प्रचारक'' की सूची से

मकसद है, यह मैसेज दिलवाना कि, हाई कमान अब पायलट के पक्ष में नहीं है, जिससे पायलट समर्थकों का मनोबल टूटे

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 19 अप्रैल। कांग्रेस के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने राजस्थान की अंदरूनी तिक्त लड़ाई को कर्नाटक के चुनावी मैदान तक पहुँचा दिया, जहाँ कांग्रेस को ऐसी उम्मीद है कि वह भाजपा को सत्ता से बेदखल करके, राज्य में अपनी सरकार बना लेगी।

राजस्थान कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सचिन पायलट को कर्नाटक के लिये स्टार प्रचारकों की सूची में शामिल नहीं किया गया है और इस कदम ने बहुतों को हैरान कर दिया है।

सूत्रों का कहना है कि यह काम रणदीप सुरजेवाला ने किया है जो ए.आई.सी.सी. महासचिव तथा कर्नाटक के प्रभारी हैं तथा अशोक गहलोत की मेहरबानी से राजस्थान से राज्यसभा-सांसद निर्वाचित हुये थे।

- पर सही बात तो यह है कि, स्टार प्रचारक की सूची, प्रदेश का प्रभारी महासचिव तैयार करता है तथा हाई कमान की सूची की तैयारी में कोई स्पष्ट भूमिका नहीं रहती।
- इस बार कर्नाटक के प्रभारी महासचिव रणदीप सुरजेवाला हैं और वे राजस्थान से राज्यसभा के सदस्य बनाये गये हैं, जिसमें मु.मंत्री की भारी भूमिका रहती है।
- अतः पायलट का नाम काट कर सुरजेवाला मु.मंत्री के अहसान का बदला चुका रहे हैं?
- गहलोत तो, यह मैसेज देना ही चाहते हैं विधायकों को कि, वे मु.मंत्री का समर्थन करें, ''गुड बुक्स'' में रहें, नहीं तो टिकट बंटते समय दिक्कत हो जायेगी।
- पर, इस मैसेज के बावजूद विधायक खुल कर गहलोत सरकार व उसके मंत्रियों के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोप भी लगाते रहे हैं, संवाद सम्मेलन में।

सुरजेवाला राज्यसभा सीट के लिये गहलोत के आभारी हैं।

सूत्रों का कहना है कि स्टार प्रचारकों की सूची, जो चुनाव आयोग के निर्देशानुसार एक विधिक अनिवार्यता है, सुरजेवाला ने तैयार की थी। गहलोत ने सुरजेवाला से यह कह दिया बताते हैं कि पायलट का नाम छोड़ दिया जाये जिससे यह संकेत जाये कि पायलट को अब नेतृत्व का समर्थन नहीं मिल रहा है तथा राजस्थान में उनका महत्व कम हो रहा है।

वस्तुस्थिति यह है कि इस सूची को तैयार करने में नेतृत्व कहीं शामिल ही नहीं है।

चाहे हिमाचल प्रदेश रहा हो या अन्य कोई राज्य, जहाँ चुनाव हुये हैं,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'समलैंगिक विवाह को स्वीकृति देने के लिए अपनी पूरी शक्ति का प्रयोग कीजिए'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 19 अप्रैल। समलैंगिक विवाह की कानूनी वैधता की माँग कर रहे याचिकाकर्ताओं ने बुधवार को सर्वोच्च न्यायालय से अनुरोध किया कि वह अपनी पूर्ण शक्ति, ''प्रतिष्ठा एवं नैतिक सत्ता'' का उपयोग करते हुये समाज को एक ऐसे विवाह को स्वीकार करने की दिशा मे समाज को ले जाये, जो विवाह यह सुनिश्चित करता हो कि एल.जी.बी.टी.क्यू.आई.ए. व्यक्ति विपरीतति (हेटरो सेक्सुअल) की तरह

- समलैंगिक विवाह को मान्यता की मांग करने वाले याचिकाकर्ताओं ने सुप्रीम कोर्ट से अपील की।

''गरिमापूर्ण'' जीवन जीते हैं। एल.जी.बी.टी.क्यू.आई.ए. प्रथमाक्षर-समूह लेस्बियन (स्त्री समलैंगिक), गे (समलैंगिक), बाइसेक्सुअल (उभयलिंगी), ट्रॉंसजेन्डर (किन्नर), क्वीअर क्वश्चनिंग, इन्टरसैक्स (मध्यलिंगी) तथा असैक्सुअल (अलिंगी) के लिये आया है।

मुख्य न्यायाधीश डी.वाय. चन्द्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पाँच जजों की संविधान पीठ से एक वादी की ओर से प्रस्तुत हुये वरिष्ठ एडवोकेट मुकुल रोहतगी ने कहा कि ''सरकार को आगे आकर समलैंगिक विवाह को मान्यता

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'इस साल भारत चीन से आगे निकल जायेगा जनसंख्या की दृष्टि से'

यूनाइटेड नेशन्स द्वारा जारी इस रिपोर्ट में भी लिखा है, अगले तीन दशक तक भारत की जनसंख्या बढ़ेगी तथा उसके बाद ''स्टेबलाइज़'' होगी

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 19 अप्रैल। भारत वर्ष 2023 के मध्य तक दुनिया की सबसे अधिक आबादी वाले देश के रूप में चीन से आगे निकल जाएगा। यह जानकारी संयुक्त राष्ट्रसंघ द्वारा जारी डेटा में दी गई है। इस वर्ष के जून माह तक भारत की आबादी चीन की 1.4257 बिलियन आबादी की तुलना में 1.4286 बिलियन हो जाएगी। इससे भारत में चीन की तुलना में 3 बिलियन लोग अधिक

- रिपोर्ट के अनुसार, भारत में 2030 तक सीनियर सिटीज़न्स की संख्या दुगनी हो जायेगी तथा 2050 तक हर पांचवा नागरिक वृद्ध होगा।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

क्या आपको कम सुनाई देता है।
कान की मशीनें
स्पीच थैरेपी
फ्री सुनाई की जाँच
TRIAL OF HEARING AID
CALL FOR APPOINTMENT
+91 94602 07080
PERFECT SPEECH AND HEARING SOLUTIONS
Tonk Road, JAIPUR | Vaishali Nagar, JAIPUR
www.perfecthearingsolutions.com

'ममता बनर्जी ने अमित शाह को फोन किया'

बंगाल में विपक्ष के नेता सुवेन्दु अधिकारी के अनुसार, इस फोन का मकसद था तृणमूल कांग्रेस के, नैशनल पार्टी होने के स्टेटस को शाह की मदद से ''रिस्टोर'' करना

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 19 अप्रैल। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री एवं तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता बनर्जी के लिए अपनी पार्टी का एक राष्ट्रीय दर्जा हमेशा से एक संवेदनशील मुद्दा रहा है।

चुनाव आयोग ने तीन राज्यों में न्यूनतम संख्या में पार्टी के विधायक होने की शर्त पूरी ना करने को लेकर तृणमूल कांग्रेस का एक राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा हटा लिया है। यह आरोप लगाया गया कि ममता ने तृणमूल कांग्रेस का राष्ट्रीय दर्जा बहाल किए जाने को लेकर अमित शाह को टेलीफोन किया और इस मामले में उनसे हस्तक्षेप करने की मांग की।

अपनी पार्टी के लिए एक राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा हासिल करने के लिए ममता की मुख्य रणनीति में अन्य पार्टियों के, खासतौर पर कांग्रेस के विधायकों को खरीद कर उन्हें अपनी पार्टी में शामिल करना रही है।

तथापि, उन्होंने कहा कि एक औपचारिक विशेषण के तौर पर उनकी पार्टी का नाम ''ऑल इण्डिया तृणमूल कांग्रेस'' बना रहेगा।

- ममता बनर्जी तिलमिला गयी सुवेन्दु के वक्तव्य से, क्योंकि नैशनल पार्टी का तमगा बहुत अभिन्न अंग है, ममता बनर्जी की राजनीति का। वे नैशनल पार्टी के रूप में हर राज्य में चुनाव लड़ती आयी हैं तथा असंतुष्ट पार्टियों, विशेषकर कांग्रेस पार्टी के नेताओं को अपनी पार्टी की ओर आकर्षित कर, अपने चुनाव चिन्ह पर चुनाव में उतारती आयीं हैं। पर, यह रणनीति फेल हो जाती है, अगर तृणमूल का नैशनल पार्टी होने का स्टेटस खत्म हो जाता है।
- तिलमिलाने का एक विशेष कारण यह भी है कि, फोन कॉल की यह जानकारी सुवेन्दु अधिकारी ने लीक की है। इन्हीं सुवेन्दु अधिकारी ने ममता बनर्जी को उनकी पुरानी सीट, नन्दीग्राम से पिछले चुनाव में शिकस्त दी थी तथा विधानसभा में भी लगतार अटपटे सवाल उठाते रहे हैं।

'समलैंगिक विवाह केस में राज्यों से परामर्श जरूरी'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 19 अप्रैल। समलैंगिक विवाह को कानूनी मान्यता देने को लेकर दायर विभिन्न याचिकाओं में बुधवार की

- केन्द्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में कहा कि, विवाह ''समवर्ती सूची'' का विषय है, इसलिए इस मसले पर या तो राज्यों को शामिल किया जाए या हमें राज्यों से परामर्श के लिए दस दिन का समय दिया जाए।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

50 YEARS OF TRUST
नया कायम चूर्ण एडवांस
स्वादिष्ट ग्रेनुएल स्वरूप में
एरंड तेल और गुलाब पत्ती के गुणों के साथ
अब और भी अधिक असरदार
कब्ज एसिडिटी और
गैस पर करे वार
• स्वादिष्ट जीरा फ्लेवर में
• नया एडवांस फोर्म्युला जो है कब्ज पर ज्यादा असरदार
• सही डोज के लिए मेज़रिंग स्पून
• दानेदार होने के कारण मुंह में नहीं चिपकता
• १००% आयुर्वेदिक, कोई साइड इफेक्ट्स नहीं
AYURVEDIC MEDICINE
KAYAM CHURNA
₹11/- OFF
ADVANCE GRANULES
USEFUL IN CHRONIC CONSTIPATION, ACIDITY, GAS ETC AND CAN BE TAKEN WITHOUT HARM
SHETH BROTHERS BHAVNAGAR
कायम चूर्ण और
कायम टेबलेट भी उपलब्ध
Available At Medical Shops & Ayurvedic Stores
1mg
amazon
Toll Free Number : 1800 419 0807 : contact@kayamchurna.com

पहली बार कांग्रेस ''मीडिया वॉर'' जीत रही है कर्नाटक में?

यह आश्चर्यजनक इसलिये है, क्योंकि अब तक का इतिहास यह रहा है कि, कांग्रेस का रैस्पॉन्स भाजपा की मीडिया टिप्पणियों पर काफी ''स्लो'', आलस्यपूर्ण व प्रभावहीन रहता था, भाजपा के प्रचार की आंधी के सामने

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 19 अप्रैल। भाजपा नेतृत्व के बारे में ऐसा प्रतीत होता है कि कांग्रेस नेताओं के बयानों के जवाब में या कोऑपरेटिव दूध के सार्थक मुद्दे पर भी भाजपा नेता जो कुछ कह रहे हैं, वह कर्नाटक के इस चुनावी माहौल में निरर्थक साबित हो रहा है। दूसरे शब्दों में, भाजपा सरकार के अहानिकर तथा प्रगतिशील कोशिशों को भी कांग्रेस एक महत्वपूर्ण चुनावी मुद्दे का रूप दे देती है जिससे भाजपा को किसी न किसी रूप में नुकसान ही हो रहा है।

उदाहरण के लिये केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह जो केन्द्रीय सहकारिता मंत्री भी हैं, के इस बयान को ही लीजिए कि अमूल और नन्दिनी एक दूसरे का सहयोग करना चाहिए, पर इस बयान से यह डर और बढ़ गया है कि अमूल स्थानीय कर्नाटक मिल्क फैडरेशन के ब्रान्ड ''नंदिनी'' का अधिग्रहण कर रहा हैं। इस बयान के कुछ घंटों के अंदर ही ट्विटर युद्ध शुरू हो गया तथा कन्नड़ ऐक्टिविस्टों ने इस कार्यवाही को उपराष्ट्रवाद के रूप में प्रस्तुत करते हुये, भाजपा को कर्नाटक विरोधी दल के रूप में चित्रित किया। इसके बाद भाजपा ने अपने कदम पीछे हटा लिये तथा इस मामले को लेकर अपना स्पष्टीकरण देने लगी, यहाँ तक कि अमूल भी अपने पूर्व रुख से पीछे हट गया, लेकिन कांग्रेस ने इस मुद्दे को पकड़ लिया तथा इसे लेकर सरपट दौड़ने लगी। कांग्रेस के बड़े नेताओं ने भाजपा के इस अभियान को हवा दी तथा इस मुद्दे का प्रभावी रूप से उपयोग करते हुये, भाजपा को एक ऐसी पार्टी के रूप में प्रस्तुत कर दिया, जो

- अबकी बार कांग्रेस की टिप्पणी पर, भाजपा के छोटे-मोटे प्रत्युत्तर को कांग्रेस ले उड़ती है और सोशल मीडिया व चैनल्स पर पूरी तरह छा जाती है तथा भाजपा को अपने प्रत्युत्तर को वापस लेना पड़ता है।
- गृह मंत्री अमित शाह, जो सहकारिता मंत्री भी हैं, ने अनायास टिप्पणी की थी कि, गुजरात के अमूल व कर्नाटक की नन्दिनी को ''कोऑपरेट'' करना चाहिये। पूर्व मु.मंत्री सिद्धारमैया ने इस टिप्पणी को मुद्दा बना दिया कि, अमूल, नन्दिनी को ''टेकओवर'' करना चाहता है। मुद्दा हिट हो गया कर्नाटक के ग्रामीण इलाकों में और अमित शाह को भी टिप्पणी वापस लेनी पड़ी और काफी समझाइश करनी पड़ी।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)